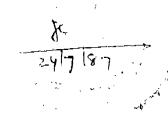


असाधारए। EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड । PART III—Section 1

भाषिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY



#1. 9]

नई दिल्ली, गुक्रवार, घई 22, 1987/उपेध्ठ 1, 1909

No. 9]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 22, 1987/JYAISTHA 1, 1909

in the same terms of the same terms of the same same terms.

इस भाग में भिन्द पृष्ठ संस्था वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

नार्यालय सहायक आयकर ब्राद्वन (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंत-7

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मूचना

नई दिल्ली, 7 मई, 1987

निर्देश मं. आर्र. ए. सी. एक्प्-7/5/37 ईई/8-86/57:—
अतः मुझे, अग्रोक मनचंदा, आयकर अधिनियम. 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उन्त अधिनियम'
कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम अधिकारी
को यह विण्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 के से अधिक
है और जिसकी संख्याहै तथा जोमें
क्थित है (और इससे उजायध अनुसूची में पूर्ण स्थ के विणित हैं),
सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 वा ख के अधीन नारीख
अगरन 86 को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के

यम दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुद्दों यह विष्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पन्ति का उचित-बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिकत श्रधिक है और अन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरिता (श्रन्तरियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पत्या गया प्रतिकल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण निखित में यास्तविक रूप से किथन नहीं किया गया है ——

- (क) श्रन्तरण मे हुई किसी श्राय की बाबत श्रायकर श्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में श्रमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए और
- (ख) ऐसी किसी आय या विसी धन या श्रन्य श्रास्तयों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रधितियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रधितियम

1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए था, छिनने में सुविधा के लिए,

श्रतः श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269ना के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269 ए की उपधारा (1) के ग्रीत निम्नलिखित अफितवों अथिन्:∸-

- जो वाई डो बिन्डिरम प्रा. लिमि.
 13/24 भारत नगर, न्यू फेंडम कालोनी, नई दिल्ली।
 (श्वन्तरक)
- खातू फाईनेंस एंड ट्रेडिंग कम्पनी लिमि.
 337, कलाबा देवो रोष्ट, दूसरा खंड,
 वम्बई-100002 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका के अर्जन के लिए कार्यवाही गृह करता है।

उपत सम्पति के अर्जन के सभ्वन्ध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस र्चना है रोजपत्र में प्रयोशन की तारीख से 15 विन की अविधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्ष स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किमी अन्य अ्यक्ति द्वारा, अधीहरूनाक्षरी, के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्वीकरण:--इसमें प्रयुक्त गढ़दों और पदों का, जो प्रायकर ग्रिक्षितियम 1961 (1961 का 43) के श्रद्धांग 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं श्रद्धों होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

फोटनं. यूजी-2-ए, 1, हनुमान रोड, कनाट पैलेस, नई दिल्ली तारीख: 7-5-87 मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-VII

Notices under Section 269 D(I) of the Income Tax Act 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 7th May, 1987

Ref. No. LAC (Acq[VII]V]37-EE[8-86]57.—Whereas I, Ashok K. Manchanda, being the Competent Authority under section 269B of the Incometax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as

the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000 - and bearing No. Flat No. UG-2-A in building situated at 1 Hanuman Road, Connaught Place, New Delhi (and more fully desciribed in the Schedule annexed hereto) has been transferred and *registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi *has been registered with the Competent Authority Us. 269 A B of the 1.T Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeseid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27, of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- M|s. Gyd Building Private Limited (Transferor)
 13|24 B&C Bharat Nagar New Friends Colony New Delhi
- (2) M/s. Khatoo Finance & Trading Co. Ltd. 337 Kalbadevi Road (2nd floor) Bombay (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazzette;

SCHEDULE

Flat No. UG-2-A in Building situated at 1, Hanuman Road, Connaught Place, New Delhi-110001 Leashold. 786 Sq. ft. Under construction.

Dated: 7th May 1987.

Seal

*Strike off where not applicable.

नई दिल्ली, 7 गई, 1987

निर्देश सं. शार्घ. ए. सी./एक्सू.-7/5/37ईई/8-86/55:--ग्रत: म्से, प्रगोक मनचंदा, आयकर ग्रधिनियम, 1961 . (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 369 ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह बिण्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/---रु. से प्रधिक है और जिसको संख्या.. ..हे तथा जो प्रवीन श्रपार्टमेंट, स्जात सिंह पार्क, नर्र दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबध अनुसूर्ता में पूर्ण रूप ने वर्णित है). सक्षम श्रक्षिकारी के कार्यालय में भारतीय यायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 ए ख के प्रधीन नारीय अगस्त 86 को पूर्वीका सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम दूर(भान प्रतिफल के लिए प्रान्तरित की गई है और मझे यह विग्वास करने का कारग हे कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित-बाबार मुख्य, इसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐंरा दृश्यमान प्रतिकल के **पन्द्रह प्रतिशत** प्रिविक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरितो (स्रन्तरितियों) े कीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उ**हे**श्य से उत्तर अन्तरण लिखिन में वास्तिविक रूप से कंबित गही किया गया है....

- (क) फ़लरण से हुई किया आब की बाबन आयकर अधिनयण, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के अस्तरण के दायित में क्रमी करने या स्योग नावने में मुद्धिभ के लिए और
- (ख) ऐसी किसी आप मा किसी धन या पत्य अपिकारी की, जिसी भारतीय प्राप्त अपिकार सिविधिया, 1000 (1922 ता 11) वो प्राप्त कर प्रधितियम, 1001 (1961 का 13) या धन कर प्रधितियम, 1057 (1957 का 27) के प्रदोजनार्थ प्रान्तरिती होता पंकट नहीं किया गंग जोना बाहिए था, डिपासे में सुविधा में जिए,

पतः स्रव एकः धविनिययं की धारा 399ना के सनुसरण में, मैं उक्त स्रविक्तित भी धारा 260 प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों अर्थात :--

- श्री/तिमती को एन गोनगमा और श्रोमिन इंदू गोस्वामी एन-18. पंचशील पार्क, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- श्री/श्रीमती ब्रार पी पिलोमोरिया और मिसंस फेंसी जिलोमोरिया 10, लोबी एस्टेंड, तई बिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी के ने 15 दिन की अर्थाध या तत्सम्बन्धी क्षांक्तियों धर सूचना की तामील से 30 दिन की अर्थाध याद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वीयत व्यक्तिनी में किसी व्यक्ति हारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिनबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भ्रयोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा स्केंगे।

स्पटीकरण: —हसमं प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में प्रधापरिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा जो उम ग्रष्टवाय में दिया गया हैं।

यनुसूची

प्रवीन ग्रुप हार्डीयग स्कोप, सुद्रानींसह मार्क '(साउय) तादादी 1800 वर्ग फीट, नर्ट दिल्ही ।

तारीय : 7-5-87 . मोहर

(जो सामू न हो उसे भाट दीविए)

Ref. No. IAC. (Acq)|VII|V|37-EE|8-86|55.--Whereas I, Ashok K. Manchanda, being the Competent Authority under section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing No. Flat on first floor in proposed building situated at Praveen Apartments near Sujan Singh Park, New Dolhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) *registered under Registration Act, 1998 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi *has been registered Competent Authority us 369 AB of the I.T.A ct. 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Shri B. N. Goswamy and Sint. Indu Goswamy N-19 Panchsheel Park, New Delhi, (Transferor)
- (2) Mr. R. P. Billimoria & Mrs Freuny Billimoria 10 Lodi Estate, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazzette;

SCHEDULE

Rights in Flat on first floor in proposed building at Praveen Apartments Near Sujan Singh Park, New Delhi, 1800 sq. ft. covered area not yet constructed.

Date: 7th May, 1987.

Seal

*Strike off where not applicable.

दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत प्रक्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) प्रन्तरण में हुई किसी भ्राय को बाबत भ्रायकर श्रिक्षित्रयम, 1961 (1961 का 43) के भ्रवीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए और
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

ग्रतः ग्रब उन्त ग्रधिनियम की धारा 269ग के ग्रनुसरण में, मैं उन्त ग्रधिनियम की धारा 269व की उप-धारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों ग्रथींतु ——

- 1- मैंसर्स जी.वाई.बी. बिल्डर्स प्रा. लि., 13/24 बी.एन्ड सी. भारत नगर न्यू फैन्डम कालोर्नः, नई दिल्ली (अन्तरक)
- 2. मैमर्स खटांक फानेन्स और ट्रांडिंग कम्पनी लि. 337 कलवा देवी रोइ, दूसरी मंजिल, बम्बई। (श्रान्तरिती)

को गह सूचना जारी करके प्रवेकित सम्पत्ति के ब्रार्जन के लिए कार्यवाडी शुरू करना हूं। उक्त सम्पत्ति के ब्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप:

- (क) इस गूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवित या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध बाद में समाप्त होती. हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचता के राजपत्र में त्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति हारा, श्रधोहस्ताक्षरों के पाम लिखिन में किए आ सकेंगे।

स्पर्धाकरण---इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रृध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वहीं श्रर्य होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

अनुनुनी

फ्लैंट नं. यू.जी.-2 बी, हुनुमान रोड, कनाट प्लेस, नई दिल्ली लीज होल्ड 852 वर्ग फीट। तारीख: 14-5-87

मोहर

श्रशोक मनचंदा, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर**क्षण**) श्रजन रेंज-5. नई दिल्ली 110002

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. IAC. (Acq) Range V 37-EE 8-86 57A.— Whereas I, Ashok K. Manchanda, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) herein after referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing No. U.G. 2-B 1, Hanuman Road, Connaught Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule—annexed hereto) *registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi *has been registered with the Competent Authority us 269 A B of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object or :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following person, namely:

(1) Ms. Gyd Builders Private Limited 13/24 B & C, Bharat Nagar, New Friends Colony New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s. Khatoo Finance and Trading Co. Ltd., 337 Kaiba Devi Road (2nd floor) Bombay-40002 (Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette;

Explanation—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. UG-2-B in Building situated at 1, Hanuman Road, Connaught Place, New Delhi-110002, Leasehold 852 sq. ft

Date: 14-5-1987

Sea1

*Strike off where not applicable.

ASHOK K MANCHANDA,

COMPETENT AUTHORITY

(INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF

INCOME TAX) ACQUISITION RANGE—V

NEW DELHI-110002

निर्देश सं . आई . ए०सी . /एक्य . / 3/एस ग्रार-2/8-86/30:-प्रतः सुन्ने, सुभाष कुनार, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उनत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास कराने का कारण है कि स्थावर सस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 है. से अधिक हैं. और जिसकी संख्या तथा जो 1/5 शैंयर पलाट नं. 10. रोड नं० 75, बसई दारापुर, पंजाबी बाग, नई दिल्ली ! में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में पूर्व रूप हो र्वाणत है), *रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन *सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269कख के अधीन तारीख सितम्बर, 1986 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तिस्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्योक्त सम्पत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान

प्रतिकल में, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत श्रीधक है और भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) और भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निस्त-लिखित उद्देण्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथिन नहीं किया गया है—

- (क) प्रत्तरण से हुई किसी धाय की बावत घ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27)के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए,

श्रतः अब उयत् श्रधिनियमं की धारा 269-ग के श्रनु-मरण में, में उक्त श्रधिनियम की धारा 269घ की उप-धारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीन् ---

 श्री/श्रीमती/गुमारी के, सतीश चंद्र सुपुत्न स्वर्गीय श्री ग्यानचंद्र नेवी में कार्यरत वर्तमान पता शी-247, डीडीए फ्लेट, साकेत, नर्र दिल्ली ।

(ब्रन्नस्क)

2 अंग्रिनं प्रारक्त कपूर पर्त्ती, विनोद ऋपूर 16/14, पजाबी बाग, नई दिल्ली ।

(श्रव्हर्सरकी)

को यह सूचना जारी करेके पूर्वोबन सम्पत्ति के क्रार्गन के लिए कार्यवाही शुरू करुम हो।

ज़कत संरापित के खर्जन के तराहर में बोर्ट भी पालेग

- (क) इ.स. पूचना के राजपात में राजाणत की सारीत रेट गाँउ दिल की अविध्य या तत्साकारी ज्यानिजयें। राट सूचना की जामींस से 30 दिन को अविध्य के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी ज्यतित द्वारा ।
- (च) यान मन्तर के राजपत में प्रकाशन की तारीज रे इ.इ.चिन के भीतर उसत स्थापर सम्पत्ति में दिवबढ़ किसी भाग व्यक्ति धारा, प्रधोत्सरामार्थि के पाप रिरोधन में किए जा सकींगे

स्पंटीकरण--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदी का, जो श्रासकर ग्रिधिनयम 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में घथा परिभाषित है, वही श्रर्थ होजा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

1/5 शेक्षर पलाट नं. 10, रोड गं. 75, स्थित पंजाबी याग, केंद्र गांव बसर्ड दारापुर, दिल्ली राज्य. दिल्ली । क्षेत्र 217.778 वर्ग मज कुल तःदादी 1088.89 वर्ग गज नारीख : 14-5-87

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. I.A.C. (Acq)|Range-III|SR-II|8-86|30.--Whereas I, Subhash Kumar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) herein after referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs 100000|- and bearing No. 1|5th share in plot No. 10, Rd. No. 75, Vill. situated at Basai Darapur, Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and *registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) . in the Office of the registering Officer at New Delhi in August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and tansferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arisung from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Chand employed Merchant Nevy, at present Clo. C-247, DDA Flats, Saket, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Sharda Kapoor woo. Sh. Vinod Kapoor roo. 16/14, Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette;

Explanation—The terms and expressions used hereing as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

1|5th share in plot No. 10, Road No. 75, situated in the colony known as Punjabi Bagh, area of village Bassai Darapur. Delhi State, Delhi Area 217.778 sq. yds. out of total mg. 1088-89 sq. yds

Date: 14-5-1987

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्वेश सं . ब्राई.ए.सी./एक्यू./3/9-86/एस ब्रार-2/55 : ग्रतः मुझे, सुभाष कुमार, श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 239ख के प्रधीन तक्षम अधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 रु. से मधिक है और जिसकी तथा जो 1/5 शेयर प्लाट नं. 10, रोड नं. 75, गांव बसई दारापुर, पंजाबी बाग, दिल्ली में स्णित है (और इससे उपाबद्ध प्रनमुची में पूर्ण रूप से वर्णित है), *रजिस्दीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सप्तम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन तारीख सितम्बर, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम दश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीका सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृण्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत ग्राधिक हैं और प्रन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे <mark>म्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उहेश्य</mark>

—'——— प्राप्त प्रम्तरण लिखित रूप में बास्तविक रूप में कथित igned--- नहीं किया गया है—-

- (क) प्रन्तरण में हुई किसी ग्राय की बावत ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए, और
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1923 (1922 का 11) या भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 13) या धनकर भ्रधिनियम 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भ्रतः श्रम उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त ग्रधिनियम की धारा 269 घ की उपधार (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात् :---

- श्री अरुण देव सुपुत श्री प. ग्यानचंद निवासी जवालपुर कालेज, जवालपुर (यूपी) (भ्रन्तरक)
- 2 श्रीमती क्ट्रंप्ण कपूर पत्नी श्री प्राणनाथ कपूर 14/14, पंजाबी बाग, नई दिल्ली (ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ज्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पष्टीकरण---इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का, जो ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

1/5 शेयर प्लाट न. 10, रोड़ न. 74, तादादी 217.778 दर्ग गंज कुल नादादी 1988.89 वर्ग गंज, पंजाबीबाग, गांव क्रमई यारापुर, दिल्ली ।

ना**रीख**ः 14-5-87

(जो लागू नहो उसे काट दीजिए)

Ref. No. IAC. (Acq)[Range-HI]9-86[SR-H]55.--Whereas I, Subhash Kumar being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) herein after referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable prohaving a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing No. 15th share in plot No. 10, Rd. No. 75, situated at Vill, Basai Darapur, Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and *registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) Sh. Arjun Dev so. Sh Pt. Gian Chand ro. Jawalapur Collage, Jawalapur, U.P.
 - (Transferor)

(2) Smt. Krishna Kapoor woo. Sh. Pran Nath Kapoor roo. 14/14, Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any aforesaid period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

1|5th share in plot No. 10, Road No. 75, mg. 217.778 sq. yds out of total mg. 1988.89 sq. yds. Punjabi Bagh, Vill. Bassai Darapur, Delhi.

Date': 14-5-1987.

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्देश मं त्राई.ए.सी./ए क्य./3/एस आर-2/9-86/ 56 :-- प्रतः मझे, सुभाष कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त ग्रधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम श्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000 र. से श्रधिक है और जिसकी संख्या 1/5 शेयर प्लाट नं. 10, में तथा जो रोड नं. 75, गांव बसई दारापूर, पंजाबीबांग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रन्सुची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्राचीन मितम्बर 1986 को पूर्वीका सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उंसके दण्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत अधिक है और ग्रन्तरक (भ्रन्तरकों) और भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राप्त की बाबत श्रासकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रश्चीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने श्रा उसमें से बचने में सुविधा के लिए, और
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन ना अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती आरा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत :--

 डा. जीतेन्द्र कुमार गर्मा सुपुत्र स्वर्गीय पं. ग्यानचन्द डिपार्टमेंट साईन और बाटर इंजीनियरिंग, पंजाब कृपि यूनियसिटी, लुधियाना ।

वर्तमान पनाः

सी-247, डी डी ए फ्लेट्स, साकॅन, नई दिल्ली। (अन्तरक)

 दीपक कुमार मुपुत्र श्री प्राणनाथ कपूर निवासी-14/14 ईस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही णुक्ष करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन को तारीख में 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की अविध बाद में समान हाता है, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमे धयुवत गब्दों और पदों का, जो स्रायकर स्रिधितयम, 1961 (1961 का 43) के स्रध्याय 20क में यथा परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा जो उस स्रध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

ग्रविभाज्य 1/5 शेयर प्लाट नं. 10 में, रोड नं 75, कुल तादादी 1088.89 वर्ग गज स्थित पंजाबी बाग, क्षेत्र बसई दारापुर, दिल्लो राज्य, दिल्ली । 1/5 शेयर 217.778 वर्ग गज।

(सुभाष कुमार) सक्षम अधिकारी

सहायक द्यायकर स्रायुक्त (निरीक्ष**ण)**

ग्रर्जन रैंज-III दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-5-87

मोहर

*(जां लागू न हो उसे काट दीजिए) 307 G1/87 ·2

Ref. No. .AC. (Acq)|Range-III|SR-II|9-86|56. whereas I, Subhash Kumar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing No. 1|5th share in plot No. 10, Rd. No. 75 situated at Vill. Basti Darapur, Punabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and *registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising on the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Jitendera Kumar Sharma So. Late Pt. Gian Chand of Deptt. of Soil and Water Engg., Punjab Agricultural University, Ludhiana, at present C-247 DDA Flats, Saket, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Deepak Kapoor So. Sh. Pran Nath Kapur ro. 14/14, East Punjabi Bagh. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Undivided 1|5th share in plot No. 10, road No. 75, total measuring 1088.89 sq. yards situated at Punjabi Bagh, area of Vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi. 1|5th share 217.778 sq. yds.

Date: 14-5-1987.

Seal

*Strike off where not applicable.

(SUBHASH KUMAR)
COMPETENT AUTHORITY
(INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF
INCOME-TAX) AQUISITION RANGE—III
NEW DELHI-110092